Global Journal of Emerging Trend in Education and Social Science
Vol. 1, Issue 1 - 2018

पोर्टफोलियो

वरूण कुमार पाण्डेय*

पोर्टफोलियो एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत एक संस्थाप्क उसमे छात्रओ/ छात्रों के अधिगम, परीक्षण प्रबंध समेत सभी दस्तावेजो का संग्रह होता है। अथार्त अधिगम प्रबंध मे, पोर्टफोलियो किसी संस्था व्यक्ति द्वारा किए गए निवेशों का एक उचित संयोजक या संग्रह होता है। पोर्टफोलियो रखना, निवेश व जोखिम को सीमित करने का रणनीति का एक भाग है, जिसे विवधिकरण भी कहते है। कई संपातियो का अधिकार रखने पर, कुछ निश्चित प्रकार के कुछ खास विशिष्ट जोखिमो के किया जा सकता है। अर्थात दस्तावेजीकरण बैंक खाता, स्टॉक, प्रयोगशाला उपकरण बहिखाता, बौंड, स्टॉक, विकल्प अधिकार पत्र, स्वर्ण वस्तु जिस्से अपने मूल्य को बरकरार रखने की अपेक्षा की जा सकती है, शामिल किया जा सकता है। वास्तव मे पोर्टफोलियो रचनात्मक रूप से बालको की प्रगति खेल और व्यक्तिगत भावना मे उनके विकास को दर्शाने वाला एक उपकरण है। यह छात्रों की काम दक्षताओ का (लिखित, कार्य, ड्राफ्ट, कलाकृति और प्रस्तुतिये) अनुकरणीय काम या छात्र के विकासात्मक प्रगति का संग्रहण) का मूल्यांकन और आकलन की एक प्रक्रिया है।

एक पोर्टफोलियो एक विशेस व्यक्ति द्वारा किए गए कार्य का एक संग्रह होता है। एक कलाकार अपनी कलाकृति की नमूने को एक लेखक नमूने को, और एक संस्कारण अपने अकैडमिक के नमूने को संग्रह के रूप मे रखता है जिस्से उसके समय के साथ एक उचित रूप से अपने किए गए कार्यो का आकलन करने का अवसर प्राप्त होता है। और यह वर्तमान शिक्षा व्यवस्था मे हो रहे सुधारो मे एक प्रमुख सुधार आकलन एवं मूल्याकन के क्षेत्र मे देखने को मिल रहा है। शैक्षिक कार्यक्रम के मूल्यांकन मे,हम एक पोर्टफोलियो को एक स्क्रैपबुक या फोटो एल्बम के रूप मे सोच सकते है जो प्रोग्राम और उसके प्रतिभागियो की प्रगति और गतिविधियो को रेकॉर्ड करता है और कार्यक्रम के भीतर और बाहर दोनों किशोर–किशोरी की प्रगति और उपलब्धियो के दस्तावेज़ के आकलन के रूप मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है तथा साथ ही एक मूल्यांकन उपकरण भी बन जाता है।

कुछ देशो मे स्कूली शिक्षा सत्त प्राप्त करने के लिए पोर्टफोलियो अनिवार्य होता है। भारत मे नवाचार शिक्षा पद्धति मे इसको महत्व प्रदान किया जाता है, विशेष रूप से जब हम निरंतर और व्यापक मूल्याकन का उल्लेख करते है। पोर्टफोलियो मे छात्र की विद्यालय घर और रागाज गे उपलब्धियों का साक्ष्य वर्णित होता है। इसमे विभिन्न कौशलो मे उनकी पारंग लता का प्रदर्शन भी होता है। यह वे कौशल होते है जिंका मापन परीक्षाओ द्वारा नही होता है। पोर्टफोलियो मे पूर्व निर्धारित क्रेडिट प्रदान किए जाते है जो अगली कक्षा मे जाने के लिए अनिवार्य होते है। यह क्रेडिट पूरे एक शैक्षिक सत्र या दो शैक्षिक सत्रो के आधार पर किए जा सकते है।

*वरिष्ठ लिपिक, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस।
Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved.

वित्त मे, पोर्टफोलियो किसी सस्था या व्यक्ति द्वारा किये गए निवेशो का एक उचित संयोजन या संग्रह होता है। पोर्टफोलियो रखना, निवेश व जोखिम को सीमित करने की रणनीति का एक भाग है, जिसे विवधीकरण भी कहते हैं। कई संपत्तियों का अधिकार रखने पर, कुछ निश्चित प्रकार के जोखिमों (कुछ खास विशिष्ट जोखिम में) को कम किया जा सकता है। पोर्टफोलियो की संपत्ति में निम्न को शामिल किया जा सकता है, बैंक खाता, स्टॉक, बांड, विकल्प, अधिकार पत्र, स्वर्ण प्रमाणीकरण, अचल संपत्ति, भावी अनुबंध, उत्पादन इकाइयां या अन्य कोई वस्तु जिससे अपने मूल्य को बरकरार रखने की अपेक्षा की जा सकती है।

एक निवेश पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक वित्तीय संस्था आदर्श रूप से अपना स्वयं का निवेश विश्लेषण संचालित करेगी, जबकि एक निजी व्यक्ति, पोर्टफोलियो प्रबंधन की सुविधा प्रदान करने वाले वित्तीय सलाहकार या वित्तीय सस्था की सुविधा ले सकता है।

1 प्रबंधन
  1.1 पोर्टफोलियो निर्माण
2 प्रतिदर्श (मॉडल)
3 मुनाफा (रिटर्न्स)
4 श्रेय (रोपण)

प्रबंधन

पोर्टफोलियो प्रबंधन में पोर्टफोलियो के अधिकारी के उद्देश्यों और परिवर्तनशील आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया जाता है कि किन संपत्तियों को पोर्टफोलियो में शामिल किया जाना चाहिए। इस चुनाव के अंतर्गत यह निर्णय किया जाता है कि किन सपत्तियो को खरीदा जाना चाहिए, कितनी संख्या में खरीदा जाना चाहिए, उन्हें कब खरीदा जाना चाहिए और किन सपत्तियो को निकाल देना चाहिए। इन निर्णयों में सदैव ही किसी न किसी प्रकार का प्रदर्शन मापन शामिल होता है, आमतौर पर यह पोर्टफोलियो से प्रत्याशित मुनाफा और इस मुनाफे से संलग्न जोखिम (अर्थात, मुनाफे का मानक विचलन) होता है। आदर्श रूप में, भिन्न संपत्तियों वाले पोर्टफोलियो के बंडलों के प्रत्याशित मुनाफे की तुलना की जाती है।

निवेशक के विशिष्ट उद्देश्यों व परिस्थितियों को अवश्य ही ध्यान में रखा जाना चाहिए। कुछ निवेशक अन्य की अपेक्षा मे अधिक जोखिम विरोधी होते हैं।म्यूचुअल फंड ने अपने पोर्टफोलियो स्वामित्व को अधिकतम करने के लिए विशिष्ट तकनीकों को विकसित कर लिया है।

पोर्टफोलियो निर्माण

पोर्टफोलियो के निर्माण के लिए कई रणनीतियां विकसित की गयी हैं।

- समान रूप से भारित पोर्टफोलियो
- पूंजीकरण (कैपिटलाइज़ेशन) भारित पोर्टफोलियो
- मूल्य भारित पोर्टफोलियो
- अनुकूलतम पोर्टफोलियो (जिसके लिए शार्प अनुपात उच्चतम हो)

प्रतिदर्श (मॉडल)

कुछ वित्तीय प्रतिदर्श जो मूल्य निर्धारण, स्टॉक चुनाव और पोर्टफोलियो प्रबंधन की प्रक्रिया में प्रयुक्त किये जाते हैं, उनमे शामिल हैं:

पोर्टफोलियो मुनाफे की गणना के लिए कई अलग अलग विधियां हैं। एक पारंपरिक विधि में त्रैमासिक या मासिक मूल्य–भारित मुनाफे का प्रयोग किया जाता है। एक निश्चित अवधि जैसे, मासिक या त्रैमासिक,

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved.

के लिए निकाले गए मूल्य भारित मुनाफे मे यह मान लिया जाता है कि इस अवधि के दौरान मुनाफे की दर स्थिर रहेगी. चूंकि पोर्टफोलियो मुनाफे में प्रतिदिन उतार–चढ़ाव होते हैं, अत: मूल्य भारित मुनाफा एक पोर्टफोलियो से होने वाले वास्तविक मुनाफे के सन्बन्ध में सिर्फ एक लगभग अनुमान ही दे सकता है। यह त्रुटियां मापन अवधि के दौरान होने वाले पूंजीप्रवाह के कारण होती हैं। त्रुटि का आकार तीन चरों पर निर्नर करेगा: पूंजी प्रवाह का आकार मापन अवधि के दौरान पूंजी प्रवाह का समय और पोर्टफोलिगो की अस्थिरता।

पोर्टफोलियो मुनाफे को मापने का एक अन्य विशुद्ध तरीका, सही समय–भारित विधि का प्रयोग है। इसके कारण पूंजी प्रवाह घटित होने वाली प्रत्येक तारीख को (लगभग प्रतिदिन ही) पोर्टफोलियो का पुनर्मूल्यांकन और इसके बाद रोजाना के मुनाफों का संयुक्तीकरण आवश्यक हो जाता है।

श्रेय (रोपण)

प्रदर्शन रोपण एक पोर्टफोलियो के सक्रिय प्रदर्शन (अर्थात सापेक्ष न्यूनतम मानदंड प्रदर्शन) की व्याख्या करता है। उदाहरण के लिए, एक विशेष पोर्टफोलियो को एस एंड पी (S&P) 500 सूचकांक के तदनुसार मानदंडित किया जा सकता है। यदि कुछ अवधि के दौरान न्यूनतम मानदण्डित मुनाफा 5 प्रतिशत था और पोर्टफोलियो का मुनाफा 8 प्रतिशत था, तो इसमे 3 प्रतिशत के सक्रिय मुनाफे के स्पष्टीकरण की आवश्यकता होगी। यह 3 प्रतिशत का सक्रिय मुनाफा, पोर्टफोलियो के मुनाफे के उस घटक को प्रस्तुत करता है जोकि निवेश प्रबंधक द्वारा (ना कि न्यूनतम मानदंड द्वारा) अर्जित किया गया था।

प्रदर्शन रोपण के लिए विभिन्न निवेश प्रक्रियाओं के अनुरूप विभिन्न प्रतिदर्श हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण प्रतिदर्श "बॉटम अप" शब्दावली मे सक्रिय स्टॉक को, मात्र स्टॉक चुनाव के परिणाम के रूप में व्यक्त करता है।

दूसरी ओर, खंडीय रोपण, खंडीय सन्बे (उदहारण के लिए, माल के सन्बन्ध में अधिक भारित स्थिति और वित्त के सन्बन्ध में न्यून भारित स्थिति) व प्रत्येक खंड के अन्दर स्टॉक चुनाव (उदहारण के लिए, अधिकाधिक पोर्टफोलियो को अन्य की तुलना मे एक ही बैक मे रखना), दोनो के ही सक्रिय मुनाफे को व्याख्या करता है।कुल मिलाकर प्रदर्शन रोपण के लिए भिन्न उदहारण खंड प्रतिदर्शों के प्रयोग पर आधारित हैं, जैसे फामा–फ्रेंच त्रिखंडीय प्रतिदर्श.

पोर्टफोलियो के निम्नलिखित लक्ष्य

1. विद्यार्थी अपनी अधिगण की योजना व्यवस्था और आकलन के सक्रिय और प्रतिबिम्बित भूमिका अपनाएगा।
2. विद्यार्थी को अपने उत्त अधिगम को प्रदर्शित करता है जो उसके बौद्धिक विकास पाठयक्रम आधारित अधिगम के पूरक का कार्य करे।
3. विद्यार्थी सफल स्कूली शिक्षा के आगे जीवन मे सफल पर्दा की योजना बना पाएगा।
4. इसके तहत विद्यार्थी और सस्था अपने कार्यो का सतत और व्यापक रूप से आकलन कर सकते है।

यह दस्तावेजीकरण स्कूल स्तर पर तैयार किया जाता है जो शिक्षा मंत्रालय के विशिष्ट मानको के अनुरूप होता है।विद्यार्थी इस कसौटी और मानक का अपनी योजना संकलन और प्रस्तुतीकरण के साक्ष्य तथा आत्म आंकलन के लिए निर्देशन के रूप मे प्रयोग करते है। सीखने की प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण या परिवर्तन के रूप मे ऐसा होता है दस्तावेजीकरण के माध्यम से प्रगति की जांच या उपाय करने के रूप मे

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved.

शैक्षणिक सेटिंग मे व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। छात्र क्या कर रहे है। क्या अनुभव कर रहे है के वास्तविक वर्णन या उदाहरण को शामिल करने के पोर्टफोलियो परीक्षा के अंक से अधिक का विस्तार करते है।

पोर्टफोलियो के घटक

पोर्टफोलियो (दस्तावेजीकरण) के मूलत: तीन घटक होते है, जो निम्न प्रकार के होते है।

1. **मुख्य पोर्टफोलियो नंबरो का 30þ:–** विद्यार्थियो को निम्नाकित छ: पोर्टफोलियो संगठन अनिवार्य रूप से पूर्ण करने होते है। कला और डिजाइन (कला के प्रति स्तर, प्रदर्शन या डिजाइन कार्य); सांप्रदायिक संलिक्तता और उतरदायित्व (सेवा कार्य मे आदर पूर्वक और सहयोगात्मक रूप से हिस्सा लेना) शैक्षिक व जीवन की योजना तैयार करना (शिक्षा पूर्व करने के पश्चात की योजना बनाना) कार्यशीलता का कौशल (30 घंटे की ऐच्छिक कार्य का अनुभव सूचना तकनीकी का कौशल पूर्वक प्रयोग करना; व्यक्तिगत स्वास्थ (50 घंटे सामान्य या गहन शारीरिक क्रिया पूर्ण करना)
2. **पोर्टफोलियो चयन प्रकार:–** विद्यार्थी उपर्युक्त क्षेत्रो का विस्तार करता है; व्यक्तिगत स्वास्थ (50 घंटे सामान्य या गहन शारीरिक क्रिया पूर्ण करना)
3. **पोर्ट फोलियो प्रस्तुतीकरण (20þ) अंक:–** विद्यार्थी पोर्टफोलियो प्रक्रिया के अंत मे अधिगम का उत्सव मनाते है उसे प्रतिबिन्बित करते है।

पोर्ट फोलियो का आकलन इसके लिए सबसे उपयोगी है

1. ऐसे प्रोग्रामो का मूल्यांकन करना जिसमे लचीला या व्यक्तिगत लक्ष्यो का परिणाम हो।
2. व्यक्तिगत और कार्यकर्मों को अपने स्वयं के परिवर्तन और निर्णय लेने के फैसले मे शामिल होने के लिए समुदाय अनुमति दे, जिनका मूल्याकन किया जा रहा है।
3. जब तक एक उपकरण प्रदान करना हो जहां दर्शको की एक श्रेणी के लिए संचार और उतरदायित्व सुनिश्चित किया जा सके।
4. जब संरचनओ के कठिन व जटिल महत्वपूर्ण पहलुओ का आकलन करने की संभावना का अनुमति दे।

पोर्टफोलियो आकलन के लिए उपयोगी नहीं है

1. बहुत ठोस, समान लक्ष्य या उद्देश्य वाले कार्यक्रम का मूल्यांकन करना है।
2. जब मात्रात्मक व मानकीकृत तरीके से प्रतिभागियो या कार्यक्रम को रैंक करने की अनुमति दे रहे है। Standerized & valuable participate and program की तुलना करनी है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. अधिगम के लिए आकलन, विपिन अस्थाना, पेज नंबर–443, आगरा पब्लिकेशन आगरा।
[2]. अधिगम के लिए आकलन, अनर सिंह परिहार, आगरा पब्लिकेशन आगरा।
[3]. https://hi.wikipedia.org/wiki/पोर्टफोलियो प्रबंधन।

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved.